

26 जिलों में हीटवेव का अलर्ट, 20 शहरों में बारिश के भी आसार, 50 की स्पीड से हवाएं चलेंगी

यूपी में पारा 45 डिग्री सेल्सियस

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। यूपी के मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। कहीं भीषण गर्मी पड़ रही है तो कहीं तेज हवा के साथ बारिश हो रही है। गुरुवार को 20 जिलों में बारिश और 26 जिलों में हीटवेव का अलर्ट है। इस दौरान 50 की स्पीड से कहीं-कहीं हवा चल सकती है। सुबह से ज्यादातर शहरों में धूप निकली हुई है। कहीं-कहीं पर बादल भी छाए हैं।

गर्मी एक बार फिर बढ़ गई है। 24 घंटे में प्रयागराज प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। यहां का तापमान 45°C रिकॉर्ड किया गया। बुधवार को वाराणसी में जमकर बारिश हुई। सड़कों पर पानी भर



अगले 5 दिन के पारा रहेगा मौसम

- 18 जून: पूरे प्रदेश में बादलों की आवाजाही रहेगी। कहीं-कहीं बारिश हो सकती है।
- 19 जून: पूरे प्रदेश में हल्की से भारी बारिश हो सकती है। कहीं-कहीं तूफान भी आ सकता है।
- 20 जून: प्रदेश के अधिकांश जिलों में बादल छाए रहेंगे। कहीं-कहीं जोरदार बारिश हो सकती है।
- 21 जून: पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहेगा। तेज हवाएं चलेंगी। कहीं-कहीं बादलों की आवाजाही के कारण बूंदबांदी हो सकती है।
- 22 जून: प्रदेश के अधिकांश जिलों में बादल छाए रहेंगे। कहीं-कहीं तेज रफ्तार के साथ जोरदार बारिश हो सकती है।



कानपुर में कई इलाकों में बारिश शुरू

कानपुर में मौसम का मिजाज बदल गया। बादल छाने के बाद कई इलाकों में बारिश शुरू हो गई, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विशेषज्ञ डॉ. एसएम सुनील पांडे ने बताया कि वातावरण में नमी अधिक होने की वजह से यह पॉकेट रेन है। यह बारिश कुछ इलाकों में ही होगी और थोड़ी देर तक रहने की संभावना है।

मानसून आने की सामान्य तारीख 18 से 20 जून मानी जाती है। यानी इस बार 4 से 5 दिन की देरी हो रही है। वाराणसी में सुबह से धूप खिली हुई है। तापमान 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।



यूपी में मानसून में कम बारिश की संभावना की वजह जानिए

मौसम विभाग के अनुसार, आज शहर का अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री के आसपास रह सकता है। दिन में 15 से 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है।

मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक डॉ. एम महापात्रा ने बताया कि इस साल प्रशांत महासागर में ला नीना जैसी स्थितियां खत्म होकर अल नीनो की ओर बढ़ने के संकेत हैं। जो कम वर्षा का कारण बनेगी। यानी इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून के सामान्य से कमजोर रहने के संकेत हैं। साथ ही इस साल जनवरी-मार्च में उत्तरी गोलार्ध में बनी कम बर्फ भी मानसून को प्रभावित कर सकती है।

खेती-किसानी पर होगा असर, महंगाई बढ़ेगी

यूपी में अल-नीनो की वजह से कम बारिश का सीधा असर राज्य की इकोनॉमी, खेती-किसानी और आम लोगों की ज़िंदगी पर पड़ेगा। धान जैसी फसलों के उत्पादन में 20% तक की कमी आ सकती है। जून-जुलाई में बारिश न होने से धान की रोपाई में देरी हो सकती है। रकबा भी घट सकता है। सिंचाई के लिए किसानों के ट्यूबवेल पर निर्भर रहना पड़ेगा। बिजली और डीजल का खर्च बढ़ने से खेती की लागत बहुत ज्यादा बढ़ सकती है।

फास्ट न्यूज

हिंदू लड़की की लाश 35-दिन बाद कब्र से निकाली गई

प्रयागराज। प्रयागराज में हिंदू समझकर मुस्लिम युवक से शादी करने वाली युवती की मौत की वजहें सामने नहीं आ सकी हैं। 35 दिन बाद कब्र खोदकर 20 वर्षीय युवती का शव पोस्टमॉर्टम के लिए निकाला गया। शव सड़ी-गली हालत में था। दो डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमॉर्टम किया, लेकिन रिपोर्ट में भी मौत का स्पष्ट कारण सामने नहीं आ सका।

बीएचयू के सुरक्षार्कर्मियों पर मारपीट का आरोप

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के हैदराबाद गेट के पास छात्र से सुरक्षार्कर्मियों ने मारपीट की। छात्र ने कुत्तापति को पत्र लिखकर शिकायत की। नीर की शिकायत को संज्ञान में लेते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने समिति का गठन किया है। समिति इस पूरे मामले की जांच कर रही है। हालांकि पूछताछ के लिए पीडित छात्रा को भी प्राक्टोरियल बोर्ड ऑफिस में बुलाया गया है। बीएचयू के छात्र नीर ने बताया कि 12 जून की रात करीब 11:30 हैदराबाद गेट से मैं अस्पताल जा रहा था। इस दौरान सुरक्षार्कर्मियों ने मुझे रोक लिया और मेरा कार्ड मंगा। मैंने सुरक्षा कर्मियों से कहा कि कार्ड जल्दीबाजी में घर भूल गया हूं, मोबाइल में दिखा देते हैं।

शंकराचार्य ने आशुतोष महाराज की नाक नहीं कटवाई थी

प्रयागराज। आशुतोष महाराज का शंकराचार्य अविमु-क्तेश्वरानंद पर लगाया गया एक और आरोप झूठा निकला। रीवा एक्सप्रेस में कथित हमले की जीआरपी ने फाइनल रिपोर्ट लगा दी है। इसमें अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्यों के खिलाफ लगे आरोपों की पुष्टि नहीं हुई है। जीआरपी की जांच में हमले के आरोपों के समर्थन में पर्याप्त सबूत नहीं मिलने की बात कही गई है।

वारदात : गोरखपुर में मर्डर के बाद छत पर चढ़कर चिल्लाया बेटा, कुल्हाड़ी से 12 वार किए

‘शादी नहीं करवा रहे थे मैंने पिता को मार डाला’

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में शादी नहीं होने से परेशान युवक ने पिता की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, उसने पिता के सिर पर ताबड़तोड़ 12 वार किए। हत्या के बाद वह घर की छत पर चढ़ गया और जोर-जोर से चिल्लाने लगा। कहा-मैंने अपने पिता को मार डाला है। वह मेरी शादी नहीं करा रहे थे। मैं रोज-रोज कहकर थक गया था। चिल्लाने की आवाज सुनकर पड़ोसियों की नींद खुली। घरों से बाहर निकले और युवक के घर पहुंचे तो देखा पिता का शव खून से लथपथ चारपाई पर पड़ा था।

बुधवार देर रात करीब 2 बजे की यह वारदात गुलरिहा थानाक्षेत्र की



वारपाई के नीचे पड़े रगल पर खून के छिंटें पड़े थे।



पुलिस के मुताबिक, बड़ा बेटा सोनू और सबसे छोटा बेटा मोहन के डेल में पेंटिंग का काम करते हैं। वहीं, ब्रम्हदेव और उनका मंझला बेटा गोलू गांव में रहकर मजदूरी करते थे। आरोपी गोलू (25) अपनी शादी को लेकर परेशान रहता था। वह पिता से अपनी शादी की लगातार जिद करता रहता था।

रहते थे। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर कहासुनी होती थी। कई बार विवाद बढ़ने पर पड़ोसियों को बीच-बचाव करना पड़ता था। पड़ोसियों के अनुसार, गोलू मानसिक रूप से कुछ बीमार चल रहा था। उसकी बीमारी और आर्थिक वजहों से पिता शादी में देरी कर रहे थे। सूचना मिलते ही गुलरिहा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई।

सोते वक्त पिता को कुल्हाड़ी से काटा डाला

भाभी के अनुसार, बुधवार रात पिता-पुत्र ने साथ में खाना खाया। इसके बाद गोलू ने फिर शादी कराने की बात उठाई। इस पर पिता ने उसे समझाते हुए कहा कि उसकी शादी जल्द करवा देंगे। इसको लेकर दोनों के बीच झगड़ा हो गया। विवाद के बाद ब्रम्हदेव घर के बाहर चारपाई पर सो गए, जबकि गोलू छत पर चला गया। उसकी भाभी घर के अंदर कमरे में सो रही थी। पुलिस के मुताबिक, रात करीब 2 बजे गोलू छत से नीचे उतरा और बाहर सो रहे पिता पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार कर दिए। सिर पर गंभीर चोट लगने और अत्यधिक खून बहने से ब्रम्हदेव की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद गोलू छत पर चढ़ गया और जोर-जोर से चिल्लाने लगा कि उसने अपने पिता की हत्या कर दी है। आवाज सुनकर उसकी भाभी और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।

सम्पादकीय

संकट में क्षेत्रीय दल



तृणमूल कांग्रेस के बाद शिवसेना-उद्धव गुट के नौ में से छह लोकसभा सदस्यों की ओर से शिवसेना-शिंदे में शामिल होने की तैयारी केवल यही नहीं बताती कि वे सत्तापक्ष के साथ जाने को आतुर हैं, बल्कि यह भी रेखांकित करती है कि भारतीय राजनीति में मौकापरस्ती बढ़ती जा रही है। शिवसेना में यह दूसरी टूट है। इसके पहले भी उसके विधायक एवं सांसद टूट चुके हैं और पार्टी अपना चुनाव निह्द भी गंवा चुकी है। उसके लिए इस एक और झटके से उबर पाना कठिन होगा। अब उसके सामने अपना अस्तित्व बचाने का संकट है। अपने इस संकट और बिखराव के लिए वही अधिक जिम्मेदार है। यदि उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बनने के लालच में धुर विरोधी कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से हाथ नहीं मिलाते तो शायद आज उनके दल की स्थिति कुछ और होती।

उद्धव ठाकरे ने सत्ता के लिए अपनी पुरानी साझेदार और वैचारिक रूप से करीबी भाजपा से केवल नाता ही नहीं तोड़ा, बल्कि इसी के साथ अपनी विचारधारा को भी ताख पर रख दिया। शिवसेना उन कुछ क्षेत्रीय दलों में से थी, जिसकी अपनी एक विचारधारा थी। वह मूलतः अपनी विचारधारा से भटकने के कारण ही बिखरी। तृणमूल कांग्रेस की तो कोई विचारधारा ही नहीं थी। केवल सत्ता पाना और उसमें येन-केन-प्रकारेण बने रहना ही उसकी राजनीति का केंद्र बिंदु था। यह केंद्र बिंदु हटते यानी सत्ता जाते ही वह बिखर गई। क्षेत्रीय दलों की समस्या केवल यही नहीं कि उनमें से कुछ की ही विचारधारा है। एक समस्या यह भी है कि वे अलोकतांत्रिक तरीके और किसी निजी कंपनी की तरह चलते हैं। ऐसे दलों में पार्टी प्रमुख या परिवार विशेष ही सब कुछ होता है।

उसके आगे किसी की नहीं चलती। लोकतंत्र में अधिनाय-कवादी तरीके से चलने वाले दलों के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए, लेकिन अपने देश की राजनीति का दुर्भाग्य यह है कि अनेक दल इसी तरह चलते हैं। प्रायः यही उनके बिखराव का कारण बनता है। क्षेत्रीय दलों में बिखराव का संकट इसलिए और बढ़ गया है, क्योंकि उनके जनप्रतिनिधियों के लिए राजनीति का मतलब अवसरवाद हो गया है। वे कभी भी दल बदल लेते हैं। ज्यादातर मौकों पर पद या पैसे के लालच अथवा अन्य किसी राजनीतिक लाभ के लिए दलबदल किया जाता है। किसी के दल बदलने में हर्ज नहीं, लेकिन ऐसा करने के पहले यह आवश्यक है कि वे विधायक या सांसद पद से त्यागपत्र दें। ऐसा न करना जनादेश का निरादर है। लगभग सभी राजनीतिक दल समय-समय पर दलबदल को बढ़ावा देते रहे हैं। दलबदल रोधी कानून के बावजूद विधायकों-सांसदों के टूट का सिलसिला कायम है। हालांकि इस कानून को कठोर बनाया जा चुका है, लेकिन वह भी प्रभावी सिद्ध नहीं हो रहा है, क्योंकि अब दलबदल को हेय दृष्टि से नहीं देखा जाता।

संतों ग्रंथों से ज्ञान प्राप्ति हों

स्वाति नक्षत्र कि बून्द केले के पत्ते पर गिरी वह कपूर बन उड़ गई। एक बून्द गिरी सर्पराज के मुंह पर तो वह विष बनी और कितनें लोगों की जान ली। वह अन्य सीप के मुंह में गिरी जो मोती बनी और गले का हार बन गई।अतः हमारी जैसी कार्य के करने के प्रति नियति होंगी वैसा ही संगति से उलगा रंग और फल हमको मिलेगा। हमारे जीवन में ज्ञान प्रकाश करने वाला होता है इसलिए व्यक्ति को जितना संभव हो सके ज्ञान प्राप्ति का प्रयास करना चाहिए । इच्छा हमारी एक स्वाभाविक प्रवृत्ति है जबकि तृष्णा एक तरह से मानसिक रोगग्रस्त वृत्ति है । मनुष्य की इच्छा आत्मा की अभिव्यक्ति है जबकि तृष्णा अहंकारग्रस्त क्षुधा की प्रवृत्ति है । वह इच्छा यदि न हो पूरी तो भी मनः में अशांति नहीं होती हैं परंतु अतृप्त तृष्णा मन में बेचैनी की क्रांति मचा देती है । इच्छा साधारणतया आवश्यकताओं की ही होती है पर तृष्णा भूख और-और की जगाती रहती है । वह जब तृष्णा की प्रवृत्ति घटती है तब बिना प्रयत्न ही जीवन की गुणवत्ता बढ़ती है। अतः उचित है कि हम तृष्णा के जाल में आए नहीं। वह उचित इच्छाओं से घबराएं नहीं। वह इस भेद-रखा को हम सही-सही पहचानें। ज्ञान के दो प्रकार हो सकते हैं । एक लौकिक विद्याओं का ज्ञान और दूसरा आध्यात्मिक विद्या का ज्ञान हैं । लौकिक विद्याओं के ज्ञान में शिल्प कला, भूगोल, खगोल, तकनीकी ज्ञान, नृत्य कला आदि और अध्यात्म विद्या के ज्ञान से आत्मा , परमात्मा, पाप-पुण्य, पुनर्जन्म आदि - आदि की जानकारी होती हैं । गुरुदेव श्री तुलसी ने कहा कि जैन धर्म व अन्य धर्म के बुनियादी भेद हैं। वह जैन धर्म की अपनी कुछ मौलिक विशेषताएं हैं, जो उसे अन्य धर्मों से अलग करती है । उन्हें इस रूप में भी निरूपित किया जा सकता है कि आत्मा का स्वतंत्र अस्तित्व और कर्तृत्व हैं । सृष्टि के निर्माता और संचालक के रूप में किसी एक शक्ति का अस्वीकार किया है । वह ईश्वर का रूप में मान्य किसी एक शक्ति का अस्वीकार किया है । वह मुक्त आत्मा के पुनः संसार में अवतरण का अस्वीकार किया हैं । अनेकांतवाद को माना गया हैं । जातिवाद, वर्णवाद आदि की अतात्त्विकता है ।

> प्रदीप छाजेड़

66

जी-शिखर सम्मेलन कहने को तो दुनिया के 7 सबसे विकसित और ताकतवर लोकतांत्रिक देशों का एक अनौपचारिक मंच है जिसमें विश्व की अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और मू-राजनीतिक चुनौतियों पर मंथन और सुधारक निर्णय लेना होता है लेकिन जो देश इस बैठक में प्रतिभाग की मुकम्मल हैसियत रखते हैं उसे दूर रखते हैं आखिर क्यों? जी-7 समिट यानी 'ग्रुप ऑफ सेवन'।



फ्रांस के 'एवियन लेस बैस' में आयोजित हुए तीन दिनी 'जी-7 समिट' का 52 वां संस्करण संपन्न हुआ। समिट में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पहुंचे लेकिन सदस्य देश बनकर नहीं बल्कि मात्र एक मेहमान के तौर पर? वह भी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर। कितना हास्यास्पद लगता है ये सब। जहां कुछेक करोड़ जनसंख्या वाले देश जी-7 के सदस्य हों और विश्व में सर्वाधिक आबादी वाला मुल्क गैर-सदस्य बनकर पहुंचता हो? भारत को सदस्य बनाने में अड़चन क्या हैं। रोड़ा कौन अटका रहा है और सदस्यहीनता का सूखा कब होगा खत्म? इसका इंतजार भारतवासी दशकों से कर रहे हैं।

भारत के अलावा 7 और गैर-सदस्य देशों को बुलाया गया। क्या उन देशों को सिर्फ ताली बजवाने और फोटो सेशन करवाने के लिए आमंत्रित किया गया। शिखर के दौरान महत्वपूर्ण बैठकों, करार, समझौतों और वैश्विक स्तरीय मंथनों से भी दूर रखा। जबकि, इन सभी बैठकों में भारत प्रतिभाग की हैसियत रखता है। पिछले करीब दो दशकों के भारत के भरसक प्रयासों के बावजूद भी सदस्य नामित नहीं किया गया जबकि, जी-7 में ऐसे सदस्य देश हैं जो भारतीय अर्थव्यवस्था के मुकाबले कहीं नहीं टिकते।

सवाल उठता है। जी-7 समिट में भारत कब तक 'बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना बनता रहेगा'? जिस देश का लोकतंत्र सबसे विशाल हो, पुराना हो और जनसंख्या के लिहाज से करीब 140 से 145 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करता हो, उस देश को ऐसे

वैश्विक मंचों से दूर रखना और महत्वपूर्ण बैठकों से अलग रखने का मतलब है, भारत की समूची जमात का अपमान करना। इसलिए बिना देर किए भारत को जी-7 में शामिल करना चाहिए। बार-बार भारत को जी-7 के आयोजन में मात्र मेहमान के तौर बुलाना किसी के गले नहीं उतरता। ऐसा एक बार से नहीं, पिछले 13 बार से लगातार किया जा रहा है। जी-7 2026 से पूर्व भी प्रधानमंत्री 7 मर्तबा गेस्ट के ही तौर पर भाग लेते रहे। पिछले 6 शिखर सम्मेलनों में पूर्ववर्ती भारतीय प्रधानमंत्री भी मेहमान बनकर पहुंचे। ये सिलसिला अब थमना चाहिए। भारतवासी लंबे समय से यही सोच रहे हैं कि काश वह वक्त कब आएगा जब हमारा देश भी 'जी-7 समिट' में पारंपरिक और अधिकारिक सदस्य बनकर आयोजन में आमद करेगा। भारत को 'स्थायी सदस्य' क्यों नहीं चुना जाता है ये सवाल दिनों दिन बड़ा होता जा रहा है।

वह मुल्क जिनकी 'इकोनॉमी' लगातार ग्रोथ में हो और विश्व पटल पर तगड़ी हैसियत रखते हों? तो क्या संसार भारत को ऐसा नहीं मानता। क्या बढ़ती अर्थव्यवस्था में भारत शामिल नहीं है। बिल्कुल है जबकि, तेजी से बढ़ती इकॉनॉमिक को लेकर भारत बीते कुछ वर्षों से विश्व में अपना डंका बजा रहा है। क्या भारत इटली, कनाडा और जर्मनी से पीछे है? उत्तर कतई नहीं? जब ये मध्यम देश इस महत्वपूर्ण समिट का हिस्सा बन सकते हैं तो भारत क्यों नहीं? जी-7 में अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, जापान, इटली, कनाडा और जर्मनी शामिल हैं इसमें

देश के भीतर पढ़े...



सरदूल सिंह

पूंजीवाद का वैश्विक संकट और रोजगार की गारंटी का सवाल

वर्तमान में कोई भी मर्ती प्रक्रिया सुचारु रूप से पूरी नहीं हो पा रही है। कमी पेपर लीक की घटनाएं, कमी परीक्षाओं का बार-बार टलना, तो कमी स्थाई नौकरियों की जगह सविदा (कॉन्ट्रैक्ट) और अस्थायी तौर पर मर्ती करना आम हो चुका है।



हैं, लेकिन स्वयं के लिए और परिवार के लिए 'फ्री टाइम' (निजी समय) पूरी तरह गायब है। सुख और सुकून की तलाश में गए युवा वहां भी एक मशीनी जिंदगी जीने को मजबूर हैं।

देश के भीतर पढ़े-लिखे और योग्यताधारी युवाओं के सामने 'आधुनिक प्रोलेटेरिएट' (शिक्षित सर्वहारा) बनने का संकट खड़ा हो गया है। स्थिति कितनी भयावह है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि किसी भी राज्य में चतुर्थ श्रेणी या सहायक कर्मचारी के कुछ सौ पदों के लिए लाखों आवेदन आते हैं, जिनमें एम.फिल, पीएचडी और आईआईटी जैसी उच्च योग्यता रखने वाले युवा शामिल होते हैं। यह स्थिति देश के विकास के तमाम दावों की पोल खोल देती है।

युवाओं को न्यूनतम वेतन से भी कम पर काम करने के लिए विवश किया जा रहा है। भर्ती परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए यातायात के साधनों बसों और रेलों का भी कोई प्रबंध नहीं होता। एक सोची-समझी रणनीति के तहत शिक्षा को निजी हाथों में सौंपा जा रहा है। सरकारी विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में स्वीकृत पदों को जानबूझकर खाली रखा जा रहा है

ताकि लोग मजबूर होकर महंगे निजी शिक्षण संस्थानों का रुख करें। महंगी पढ़ाई पूरी करने के बाद भी जब युवाओं को अपनी योग्यता के अनुरूप रोजगार नहीं मिलता तो समाज में असंतोष, हताशा और एक बड़ा सामाजिक-राजनीतिक संकट जन्म लेता है। इन तमाम अस्थायी और तात्कालिक उपायों से इस संकट को दूर नहीं किया जा सकता। इसका एकमात्र स्थायी समाधान यह है कि देश के प्रत्येक युवा को 'योग्यता के अनुसार काम और काम के अनुसार दाम' के सिद्धांत पर रोजगार मिले। इसके लिए भारत की संसद में भगत सिन्हा राष्ट्रीय रोजगार गारंटी कानून (बनेगा) पारित किया जाना चाहिए। जब तक सरकार किसी युवा को रोजगार देने में असमर्थ रहती है, तब तक उसे इस निर्धारित राशि का आधा हिस्सा 'रोजगार प्रतीक्षा भत्ता' के रूप में अनिवार्य रूप से दिया जाना चाहिए ताकि वह किसी पर निर्भर ना रहे अपना जीवन यापन आत्मनिर्भर रूप से कर सके। आज एक तरफ बेरोजगारी का आलम है कि काम करने वाले करोड़ों योग्यता धारी नौजवान बेरोजगार बैठे हैं, दूसरी तरफ काम में लगे हुए लोगों से उन्नत तकनीक आने के बावजूद 12 से 15 घंटे काम करवाया जा रहा है। नए श्रम कानून के अंतर्गत काम के दिन को 8 घंटे से बढ़ाकर 12 घंटे तक विस्तारित कर दिया गया है। इसलिए काम में लगे हुए लोगों को राहत तथा सबको रोजगार देने के लिए उन्नत तकनीक के अनुसार कार्यस्थल पर काम कर रहे लोगों के लिए दैनिक काम के दिन को कानूनी रूप से (कार्य के घंटों को) 8 घंटे से घटाकर 6 घंटे या उससे कम किया जाना चाहिए।

जरा हटके



चरणबद्ध तरीके से जोड़ा जाएगा। साथ ही 500 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन विश्व बैंक सहायता प्राप्त ग्रूपीकैम्पा मॉडल के अंतर्गत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी का मानना है कि विकास का अर्थ केवल सड़कों और भवनों का निर्माण नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्थाओं का निर्माण करना है जो नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाएं। इलेक्ट्रिक बसों का यह नेटवर्क इसी सोच का उदाहरण है। इन बसों के माध्यम से लाखों यात्रियों को वातानुकूलित, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा। महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, छात्रों और दैनिक यात्रियों के लिए यह सुविधा विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होगी। यह योजना केवल परिवहन क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी एक महत्वपूर्ण पहल है। आज विश्व जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौतियों

का सामना कर रहा है। ऐसे समय में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना भविष्य की आवश्यकता बन गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने उत्तर प्रदेश को पर्यावरण संरक्षण के राष्ट्रीय अभियान में अग्रणी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से डीजल आधारित वाहनों पर निर्भरता कम होगी, जिससे वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण में कमी आएगी। इसके साथ ही कार्बन उत्सर्जन घटेगा और प्रदेश का कार्बन फुटप्रिंट कम करने में मदद मिलेगी।

उत्तर प्रदेश सरकार की यह पहल प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'ग्रान इंडिया' और 'नेट जीरो उत्सर्जन' के संकल्प को भी मजबूती प्रदान करती है। योगी सरकार ने महिषी की सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय कार्य किए हैं। अब इलेक्ट्रिक सिटी बसों का यह व्यापक नेटवर्क मिशन में एक और बड़ा कदम माना



भारत को भी जोड़ा जाए, इसके लिए फ्रांस भी पक्षधर है। लेकिन एक देश की दादागिरी के चलते मुमकिन नहीं हो पा रहा। वो है अमेरिका। उसे इस बात की चिड़ है अगर भारत जी-7 में भी घुस गया तो उसकी अहमियत कम हो जाएगी। गौरतलब है साल-1975 में जब इस समिट की शुरुआत हुई, तब कुल 6 ही देश शामिल थे। 1976 में कनाडा के रूप में एक और मुल्क जुड़ा। उसके बाद जी-7 हुआ। वहीं वर्ष-1998 में रूस को शामिल करके सदस्य देशों की संख्या इजाफा करके आंकड़ा 8 तक पहुंचाया गया। तब, जी-8 हुआ। लेकिन रूस-यूक्रेन लड़ाई छिड़ने के बाद रूस को सस्पेंड कर दिया गया। तब, उसकी जगह भारत को शामिल किया जा सकता था। लेकिन अमेरिकी विरोध के चलते संभव नहीं हो सका। किसी भी वैश्विक मंच पर भारत की धमक बढ़े, उसे अमेरिका बर्दाश्त नहीं कर पा रहा है। इसके पीछे सीधा-सीधा कारण यही है, अमेरिका जानता है अगर भविष्य में उनकी अर्थव्यवस्था से कोई देश मुकाबला कर सकता है

तो वह भारत ही होगा। इसलिए भारत को प्रत्येक मंचों पर कमतर आंकना, अमेरिका की आदत में शुमार हो गया है। भारत की पुरजोर मांग है कि उसे जी-7 में शामिल किया जाए। ऐसा प्रस्ताव इस बार हुआ। भारत न सिर्फ सदस्य की हैसियत रखता है बल्कि भविष्य में इस आयोजन की मेजबानी भी चाहता है। भारत सदैव संवाद, सहयोग और वैश्विक कल्याण की भावना का पक्षधर रहा है। ऐसे मंचों से भारत को दूर रखने का मतलब है, दुनिया को दूरदर्शी और मार्ग दर्शकीय विचारों से काटना। दुनिया जानती है कि नया भारत अब विश्व पटल पर विश्वास, समावेशिता और साक्षी प्रगति का सशक्त स्वर बनकर उभर चुका है। संसार में व्याप्त ना-ना प्रकार की वैश्विक चुनौतियां बिना भारत के दूर नहीं की जा सकतीं। जनकल्याण का स्वर्णिम अध्याय आज भारत लिख रहा है। जी-7 शिखर सम्मेलन का मुख्य मकसद संवाद, समाधान और विकास होता है और इस तीनों मंत्रों का अव्वल उपदेशक अब भारत है। डॉ.रमेश ठाकुर

लोकतंत्र में ...



सौरभ वाष्पाय

सांसदों का लगातार दल बदलना स्वस्थ लोकतंत्र के लिए सही नहीं

सांसदों का लगातार दल बदलना लोकतंत्र के लिए स्वस्थ संकेत नहीं माना जा सकता। मतदाता किसी व्यक्ति को नहीं बल्कि अक्सर पार्टी की विचारधारा और नेतृत्व को ध्यान में रखकर वोट देता है। इसलिए जनादेश का सम्मान करते हुए राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों दोनों को अपने आचरण में अधिक जवाबदेही दिखानी होगी। यही लोकतांत्रिक मर्यादा की मांग है। भारतीय राजनीति में दल-बदल और राजनीतिक पुनर्संरचना कोई नई बात नहीं है लेकिन जब किसी दल के सांसद बड़ी संख्या में पार्टी छोड़ने लगें तो यह केवल संगठनात्मक संकट नहीं बल्कि नेतृत्व और राजनीतिक दिशा पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है। हाल के दिनों में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद उसके बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में सांसदों के विद्रोह और अब शिवसेना (उद्धव गुट) के कई सांसदों के संभावित पलायन की खबरों ने विपक्षी राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) पहले ही 2022 के विधानसभा के बाद अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। अब ऑपरेशन टाइगर के तहत सात सांसदों के शिंदे गुट में जाने की अटकलें लग रही हैं। हालांकि पार्टी नेतृत्व इन खबरों का खंडन कर रहा है लेकिन जिस प्रकार उद्धव ठाकरे को अपने सांसदों और विधायकों की बैठक बुलानी पड़ी, उससे संकट की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। दूसरी ओर, टीएमसी में भी बड़ी टूट की खबरें सामने आई हैं। रिपोर्टों के अनुसार



पार्टी के कई सांसदों ने अलग राजनीतिक रास्ता चुनने की कोशिश की है जिससे ममता बनर्जी के नेतृत्व को चुनौती मिली है। इन घटनाओं के राजनीतिक मायने दूरगामी हैं। पहला, यह विपक्षी दलों में नेतृत्व के प्रति बढ़ती असंतुष्टि को दर्शाता है। दूसरा, इससे सत्तापक्ष की राजनीतिक शक्ति और मजबूत हो सकती है क्योंकि विपक्ष का संख्याबल और मनोबल दोनों प्रभावित होते हैं। तीसरा, इससे मतदाताओं के बीच यह संदेश जाता है कि कई क्षेत्रीय दल वैचारिक प्रतिबद्धता की बजाय राजनीतिक अवसरवाद के दौर से गुजर रहे हैं। लोकतंत्र में दल-बदल विरोधी कानून मौजूद है लेकिन राजनीतिक दल अक्सर उसके कानूनी प्रावधानों के भीतर रहकर नए समीकरण बना लेते हैं। यही कारण है कि सांसद और विधायकों के समूहगत स्थानांतरण का सिलसिला रुकता नहीं दिखता। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या यह केवल कुछ नेताओं की महत्वाकांक्षा का परिणाम है या फिर विपक्षी दलों के भीतर गहरे संगठनात्मक संकट का संकेत? यदि टीएमसी और शिवसेना जैसी पार्टियां अपने जनप्रतिनिधियों को साथ रखने में कठिनाई महसूस कर रही हैं, तो उन्हें आत्ममंथन करना होगा।

उत्तर प्रदेश सरकार...



-प्रवीण मालवीय

प्रदेश सरकार के हरित परिवहन विजन से प्रदेश के 18 शहरों में दौड़ेंगी आधुनिक इलेक्ट्रिक बसें

उत्तर प्रदेश आज विकास, सुशासन और आधुनिक बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में अपनी पहचान बना चुका है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लगातार ऐसे निर्णय ले रही है जो आम नागरिकों के जीवन को सरल बनाने के साथ-साथ भविष्य की आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखते हैं। इसी क्रम में प्रदेश मंत्रिपरिषद द्वारा 18 शहरों में ग्रॉस कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट (ळब्ब्) मॉडल पर वातानुकूलित इलेक्ट्रिक सिटी बसों के संचालन को मंजूरी देना एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी निर्णय है। यह कदम न केवल शहरी परिवहन व्यवस्था को आधुनिक बनाएगा बल्कि उत्तर प्रदेश को हरित और सतत विकास की दिशा में भी मजबूती प्रदान करेगा। पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश में तेजी से शहरीकरण हुआ है। नए औद्योगिक केंद्रों, व्यापारिक गतिविधियों और बढ़ती आबादी के कारण

शहरों में सार्वजनिक परिवहन की मांग लगातार बढ़ रही है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने इस आवश्यकता को समय रहते समझा और एक ऐसी परिवहन व्यवस्था विकसित करने का संकल्प लिया जो सुरक्षित, सुलभ, आधुनिक और पर्यावरण के अनुकूल हो। इसी सोच का परिणाम है कि प्रदेश के 18 प्रमुख शहरों में बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रिक बसों के संचालन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। मंत्रिपरिषद द्वारा स्वीकृत योजना के अंतर्गत प्रथम चरण में आगरा, अलीगढ़, अयोध्या, बरेली, फिरोजाबाद, गाजियाबाद, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मथुरा-वृंदावन, मेरठ, मुरादाबाद, प्रयागराज, शाहजहांपुर, सहारनपुर, वाराणसी तथा नोएडा (जैवर सहित) में कुल 1725 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की व्यवस्था की जाएगी। इनमें से 743 बसें पहले से संचालित हो रही हैं, जबकि अतिरिक्त बसों को

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

अयोध्या कोतवाली में चंपत राय समेत अन्य के खिलाफ मेजी तहरीर, ट्रस्ट को तुरंत भंग करने और चोरों की गिरफ्तारी की मांग

ईडी पार्टी के संरक्षण में हो रही प्रभु श्री राम के दान पात्र में डकैती

कटाक्ष

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ/अयोध्या। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता, राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश के प्रभारी संजय सिंह ने आज राजधानी लखनऊ में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए अयोध्या के राम मंदिर ट्रस्ट में हुए कथित चंदा चोरी और भ्रष्टाचार को लेकर भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। संजय सिंह ने रेखांकित किया कि उन्होंने अयोध्या के राम जन्मभूमि थाना अध्यक्ष को राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और अन्य अभियुक्तों के खिलाफ नामजद तहरीर भेजकर तत्काल



संजय सिंह ने कहा कि चंदा चोरी के इस महाभूयाले से पूरा देश हैतान है। खुलासे के बाद खुलासे हो रहे हैं और भ्रष्टाचार की पोल खुलती जा रही है। प्रभु श्री राम के नाम पर आए चढ़ावे और चंदे में जो डकैती हो रही है, उसे भाजपा सरकार और

क्या बीजेपी के नेता और संत भी रामद्रोही हैं?

संजय सिंह ने भाजपा और उसके समर्थकों द्वारा सवाल उठाने वालों को 'रामद्रोही' कहे जाने पर पलटवार किया। उन्होंने सवाल दागा, 'एजब हम सवाल उठाते हैं तो हमें गालियां दी जाती हैं। अखिलेश यादव जी सवाल उठाए तो उनके परिवार पर अभद्र टिप्पणियों की जाती हैं। लेकिन मैं पृच्छना चाहता हूँ कि क्या विनय कटियार, संत नित्य गोपाल दास के उत्तराधिकारी कमल नयन दास, भाजपा नेता रजनीश सिंह और मंदिर आंदोलन से जुड़े संतोष दुबे भी रामद्रोही हैं? अब तो आपके अपने लोग कह रहे हैं कि भारी भ्रष्टाचार और चोरी हुई है।

उनकी जांच एजेंसियों का पूरा संरक्षण प्राप्त है। इसके अलावा, हाल ही में महंत मुरलीदास से 3 करोड़ की जमीन

फास्ट न्यूज

शहीद पथ पर बनेगी 23 किमी लंबी एलिफेंटेड रोड

लखनऊ। लखनऊ में तेजी से बढ़ रही आबादी और वाहनों के बढ़ते दबाव को देखते हुए शहीद पथ पर जल्द ही एलिफेंटेड रोड बनाई जाएगी। रक्षा मंत्री व लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर शहीद पथ पर एलिफेंटेड सड़क निर्माण का प्रस्ताव रखा है। शहीद पथ पर लगातार बढ़ रहे ट्रैफिक के कारण कामता, चिनहट समेत कई प्रमुख चौराहों पर रोजाना जाम की स्थिति बन रही है।

लखनऊ की मोबाइल शॉप में तोड़फोड़

दुबगा। लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र में एक मोबाइल शॉप में घुसकर हमला, तोड़फोड़ और लूटपाट का आरोप लगा है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने नामजद समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना बादलखेड़ा स्थित मोहित मोबाइल शॉप में हुई।

सरदार भगत सिंह कॉलेज, शांति नगर कॉलोनी निवासी मनीष वाल्मीकि ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि बुधवार शाम करीब 7:30 बजे दिलीप पाल और सुचित शर्मा अपने 10 से 12 साथियों के साथ उनकी दुकान में जबरन घुस आए।

राम मंदिर चंदा चोरी मामले की नहीं हुई सुनवाई

लखनऊ। अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में चंदा चोरी के मामले को लेकर दायर की गई जनहित याचिका (PIL) की गुरुवार को लखनऊ हाईकोर्ट में सुनवाई नहीं हो पाई। डबल बेंच ने अर्जेंट हिरियंग में केस को टेकअप नहीं किया। याचिकाकर्ता वकील का कहना है कि अब इस पूरे मामले को लेकर सोमवार को नई डबल बेंच में सुनवाई हो सकती है।

आगमन: सोनभद्र-बलिया के रास्ते 20-25 जून तक आ सकता है, अभी यूपी का आसमान साफ

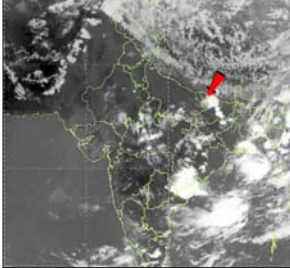
मानसून पूर्वांचल से एंट्री लेगा ऐसा 2 साल पहले हुआ

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी में मानसून 4 से 5 दिन लेट एंट्री ले रहा है। 24-25 जून के बीच मानसूनी बारिश शुरू होने का अनुमान है। इस बार मानसून बुंदेलखंड से नहीं, बल्कि पूर्वांचल के जिलों में पहले पहुंचेगा। मानसून पिछले 2 साल से बुंदेलखंड के रास्ते आ रहा था।

17 जून को INSAT-3DS सैटेलाइट से ली गई तस्वीरों में उत्तर प्रदेश के आसमान पर बादल नहीं दिखे। ऐसा बंगाल की खाड़ी में मजबूत लो प्रेशर एरिया नहीं बनने से हो रहा है।

मानसून आने से पहले यूपी में गमी के दो अलग मिजाज देखने को



सैटेलाइट इमेज में साफ देखा जा सकता है कि मानसून यूपी-बिहार बॉर्डर तक पहुंच चुका है। फिलहाल यूपी के आसमान पर बादल नहीं हैं।

मिलेंगे। तय समय पर बारिश नहीं होने से पूर्वांचल के जिलों में तापमान एक बार फिर 42 से 45 डिग्री सेल्सियस के पार जा रहा है। प्रयागराज, वाराणसी और बलिया जैसे जिलों के लिए अगले 3-4 दिनों तक भीषण लू का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं,



जाने के बाद भी अंतिम परिणाम जारी नहीं किया गया है। प्रदर्शन में शामिल अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि आयोग की ओर से 9 महीने लगातार परिणाम जारी करने का आश्वासन दिया जा रहा है, लेकिन

अब तक भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। इससे हजारों उम्मीदवारों का भविष्य अधर में लटक हुआ है। उनका कहना है कि लंबे इंतजार के कारण वे मानसिक और आर्थिक दबाव का सामना कर रहे हैं।



सोनभद्र और बलिया के रास्ते होगी मानसून की एंट्री

मानसून यूपी की तरफ दो तरह से बढ़ता है। पहला- अरब सागर की तरफ से। दूसरा- बंगाल की खाड़ी से। बंगाल की खाड़ी की नम हवाएं बांग्लादेश और बिहार को पार करते हुए पूर्व दिशा से यूपी में प्रवेश करने वाली हैं।

लखनऊ, कानपुर और नोएडा जैसे मध्य-व पश्चिमी इलाकों में बारिश के कारण पारा भले ही 38 से 40 डिग्री के बीच रुका है, लेकिन हवा में नमी बढ़ने से चिपचिपी और पसीने वाली गर्मी अपने चरम पर है। इस स्थिति से स्थायी राहत 24 से 25 जून के बीच मानसून की पहली भारी बारिश के बाद ही मिलेगी।

तमसा संकेत, एजेंसी

200 अभ्यर्थी आए, रात से भूखे भी हैं

हरदोई से आए अभ्यर्थी राहुल मिश्रा ने कहा- पिछले 9 महीने से 9 बार लखनऊ आ चुके हैं। आज तक होम्योपैथिक फार्मासिस्ट भर्ती का फाइनल रिजल्ट जारी नहीं किया। हर बार यही कह दिया जाता है कि 15 दिन में रिजल्ट जारी कर दिया जाएगा। पूरे उत्तर प्रदेश से करीब 200 अभ्यर्थी यहां आए हुए हैं। रात से भूखे भी हैं। रिजल्ट तैयार हो चुका है लेकिन जारी नहीं किया जा रहा है। जब तक रिजल्ट के लिए 100% आश्वासन नहीं मिल जाता, तब तक हम यहां से नहीं जाएंगे।

एसी में बैठकर बोल देते हैं कि रिजल्ट जारी होगा

जौनपुर से आए राजेश प्रचेता ने कहा- हम इसलिए प्रदर्शन में आए हैं कि डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के बाद भी रिजल्ट जारी नहीं किया जा रहा है। हमको यहां एसी में बैठे अधिकारी बोल देते हैं कि

अगले 15 दिन में रिजल्ट जारी कर दिया जाएगा। लेकिन, बार-बार आने के बावजूद रिजल्ट जारी नहीं किया जा रहा है। हम लोगों की क्या भावनाएं हैं, इसकी इन्हें परवाह नहीं है।

यूपी में मानसून आने की सामान्य तारीख 18 से 20 जून मानी जाती है। मौसम वैज्ञानिक कहते हैं, '2022 से 2024 तक मानसून यूपी तक 24 से 25 जून तक ही पहुंचता आया है। ऐसा ही इस बार भी हो रहा है।'

तब तक उमस और तपिश का यह मिला-जुला दौर लोगों को झेलना पड़ेगा। कम बारिश की आशंका से BHU में कृषि विभाग के प्रो. पीके सिंह से बात की। वह कहते हैं, 'यूपी में कम बारिश की वजह से धान के उत्पादन में 20% तक की कमी आ सकती है।'

प्रभु श्री राम के दान पात्र और चढ़ावे में सैकड़ों करोड़ की चोरी, लेकिन 'एऊपार्टी' (भाजपा) के राज में एक भी गिरफ्तारी नहीं: संजय सिंह

ईडी पार्टी के संरक्षण में हो रही प्रभु श्री राम के दान पात्र में डकैती, नाम और प्रमाण के बावजूद चोर खुलेआम क्यों घूम रहे हैं?: संजय सिंह

आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश में शुरू करेगी छटे चरण की पदयात्रा, 16 से 23 अगस्त तक आजमगढ़ से जौनपुर तक गुंजेगा 'रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो' का नारा

चरणों की पदयात्रा सफलतापूर्वक समाप्त हो चुकी है। अब छठे चरण की पदयात्रा 'आस्त क्रांति' के महीने में आयोजित की जाएगी।

जिन 72 गरीबों को प्लैट दिए, वो अवैध एलडीए और सिंचाई विभाग में ठनी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में 8 महीने पहले सरकार ने जिन 72 गरीबों को प्लैट दिए थे, उन्हें सिंचाई विभाग ने अवैध बता दिया है। गुरुवार को सिंचाई विभाग ने एक प्लैट पर नोटिस चिपका दिया। जिसमें लिखा है- आपका घर अवैध रूप से सिंचाई विभाग की जमीन पर बना है। 7 दिन के अंदर कब्जा हटा लें, अन्यथा इसे विभाग खाली करा लेगा। 7 दिन की समय-सीमा समाप्त होने के बाद यही कोई क्षति होती है तो आप स्वयं जिम्मेदार होंगे। आपसे हर्जा-खर्चा के साथ समन शुल्क वसूला जाएगा। इसलिए नोटिस मिलने के 7 दिन के अंदर विभाग की भूमि से अवैध कब्जा हटा लें।

इन प्लैट्स को LDA यानी लखनऊ विकास प्राधिकरण ने सरदार पटेल आवासीय योजना के तहत बनाया था। जमीन पर माफिया मुख्तार अंसारी का कब्जा था, प्रशासन ने मुक्त कराया था। नवंबर 2025 में लोगों को घरों का आवंटन



किया गया था। लखनऊ में डालीबाग पॉश इलाका है। लगभग 2,314 वर्गमीटर जमीन माफिया मुख्तार अंसारी के अवैध कब्जे में थी। इसे मुक्त कराकर LDA ने ग्राउंड प्लस श्री स्ट्रक्चर के तीन ब्लॉक बनवाए। हर प्लैट का क्षेत्रफल 36.65 वर्गमीटर है, जिसकी कीमत 10.70 लाख रुपए रखी गई थी। योजना में साफ पानी, बिजली, सुरक्षा व्यवस्था और दो पहिया वाहनों की पार्किंग की सुविधा दी गई है। इसकी लोकेशन बेहद प्राइम मानी जा रही है। बंधा रोड पर स्थित यह परियोजना बालू अड्डा, 1090 चौराहा, नरही, सिकंदरबाग और हजरतगंज से महज 5 से 10 मिनट की दूरी पर है।

2027 में सरकार बनने पर सभी मांगें पूरी करने का दिया आश्वासन अनुष्का पाल हत्याकांड: अखिलेश ने की पीड़ित परिवार से मुलाकात

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गुरुवार को लखनऊ स्थित पार्टी के राज्य मुख्यालय में मेरठ के सरधना क्षेत्र की राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी एवं कई पदक विजेता 17 वर्षीय अनुष्का पाल के परिजनों से मुलाकात की। अनुष्का की हाल ही में अपहरण के बाद हत्या कर दी गई थी। इस दौरान सरधना के विधायक अतुल प्रधान भी मौजूद रहे। अखिलेश यादव ने चिरोड़ी गांव निवासी अनुष्का के पिता नेमपाल पाल को सात्वना दी और उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा अन्याय के खिलाफ संघर्ष करती रही है और पीड़ितों को न्याय दिलाने के



लिए सदैव तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर पीड़ित परिवार की ओर से परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता तथा पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग उठाई गई। अनुष्का पाल के पिता नेमपाल पाल और सरधना विधायक अतुल प्रधान भी अनुष्का पाल के गांव पहुंचकर परिजनों से मुलाकात कर चुके हैं तथा उन्हें हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया था। बैठक में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, मेरठ के जिलाध्यक्ष कर्मवीर सिंह गुप्ती, महानगर अध्यक्ष हाजी आदिल चौधरी, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के



सपा प्रमुख ने आश्वासन दिया कि वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर पीड़ित परिवार की सभी मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए हर संभव मदद की जाएगी।

जिलाध्यक्ष विजय पाल कश्यप, जिला उपाध्यक्ष सोनू पाल, पीडित पुन्नु, अनिल पाल, जिला पंचायत सदस्य दीपति पाल, नरेश पाल प्रधान, डॉ. संजीव, ब्रह्मपाल, आनंद पाल, नीरज पाल, विजेंद्र पाल, शीराज शर्मा, मोनू पाल, चौधरी जितेंद्र पाल, सोनू प्रधान, सहदेव पाल, सुनील पाल, विनोद पाल और श्याम सिंह पाल सहित कई नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगी को मिलेगा 21,000 रुपये का पुरस्कार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में आगामी 12वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2026 अवसर पर आयुष विभाग द्वारा 03 बड़ी राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए आयुष विभाग द्वारा तैयार किये गये पेटेल https://kavach.upayush.in पर प्रतियोगिता वाले सेक्शन में आनलाइन प्रतिभाग कर सकते हैं। आयुष विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार पहली स्लोगन प्रतियोगिता होगी। जिसके तहत हिन्दी भाषा में न्यूनतम दो लाइन अधिकतम चार लाइन की होगी। दूसरी योग चित्रकला प्रतियोगिता होगी, जिसके अंतर्गत पोस्टर साइज 70''x56 सेमी0 (चाट पेपर) जो हाथ के माध्यम से बनायी जायेगी। इसी प्रकार तीसरी योगासन प्रतियोगिता होगी, जिसके अंतर्गत वीडियो अधिकतम 01 मिनट की होगी। सभी प्रतियोगिता में समस्त

12वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रदेश में राज्यस्तरीय 03 प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा

जन सामान्य भाग ले सकते हैं। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य आम जनमानस को योग के प्रति जागरूक एवं प्रोत्साहित करना है। ताकि लोग लेखन, चित्रकला एवं दृश्य माध्यम के द्वारा "योग दिवस" में सहभागी बन स्वयं की प्रतिभा का भी प्रदर्शन करें और पुरस्कार जीतें।

प्रथम पुरस्कार पाने वाले प्रतियोगी को 21000 रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगी को 11000 रुपये, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगी को 5100 रुपये एवं पंचम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगी को 1100 रुपये की धनराशि प्रदान की जायेगी।

‘बेटियां बन रही हैं भविष्य की वैज्ञानिक और नवप्रवर्तक’ प्रयागराज और गाजियाबाद के कस्तूरबा विद्यालयों का हुआ चयन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार बालिकाओं को केवल विद्यालयी शिक्षा तक सीमित नहीं रख रही, बल्कि उन्हें देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों, वैज्ञानिक नवाचारों और आधुनिक अधिगम के अवसरों से भी जोड़ रही है। इसी क्रम में आईआईटी गांधीनगर, गुजरात द्वारा संचालित क्यूरियोसिटी प्रोग्राम 2026-27 के अंतर्गत उन्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों के लिए आयोजित ओरिएंटेशन सेशन में उत्तर प्रदेश के दो कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का चयन किया गया है। विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार 13 जुलाई से 15 जुलाई 2026 तक आयोजित होने वाले इस



विशेष ओरिएंटेशन कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कोडिहार-1, प्रयागराज तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय लोनी (नगर पालिका), गाजियाबाद की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम में चयनित प्रत्येक विद्यालय से दो छात्राएं और एक शिक्षिका भाग लेंगी। छात्राओं को देश

के प्रमुख तकनीकी संस्थानों में सीखने और समझने का अवसर प्राप्त होगा। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों को बालिका सशक्तिकरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रभावी केंद्रों के रूप में विकसित कर रही है। डिजिटल शिक्षण, नवाचार आधारित गतिविधियों, विज्ञान एवं आधुनिक कार्यक्रमों तथा राष्ट्रीय संस्थानों से जुड़ाव जैसी पहलों का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश की बेटियां देश के प्रतिष्ठित संस्थानों तक पहुंच रही हैं।

43वीं रैंक के कांगो ने पुर्तगाल को ड्रॉ पर रोका

मैच

ह्यूस्टन, एजेंसी

फुटबॉल वर्ल्ड कप में छोटी टीमों का कमाल जारी है। बुधवार को 43वीं रैंकिंग वाली कांगो ने स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल को 1-1 के ड्रॉ पर रोक लिया। 52 साल बाद वर्ल्ड कप में वापसी कर रही कांगो गणराज्य ने टूर्नामेंट में अपना पहला गोल भी दागा। हालांकि, रोनाल्डो एक भी गोल नहीं कर सके।

ह्यूस्टन के एनआरजी स्टेडियम में ग्रुप-K के मैच में पुर्तगाल ने छठे मिनट में जोआओ नेवेंस के गोल से शानदार शुरुआत की। लेकिन यही उसका आखिरी गोल रहा। हाफ टाइम के इंजरी गोल के 5वें मिनट में योआन वीसा ने कांगो को बराबरी दिलाई। इस ड्रॉ के बाद पुर्तगाल को ग्रुप स्टेज से अगले मैच जीतने होंगे। उसे 23 जून को उज्बेकिस्तान और



कांगो ने दागा पहला वर्ल्ड कप गोल

यह कांगो के इतिहास का पहला वर्ल्ड कप गोल था। इससे पहले टीम ने 1974 में जायर नाम से वर्ल्ड कप खेला था, लेकिन तब कोई गोल नहीं कर सकी थी। गोल के बाद वीसा ने कहा, '52 साल बाद हम फिर वर्ल्ड कप में लौटे हैं। यह गोल मेरे, मेरे परिवार और पूरे कांगो के लिए बेहद खास है।'

28 जून को कोलंबिया से मैच खेलने हैं। फिलहाल, टीम ग्रुप-के की पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है। 41 साल और 132 दिन की उम्र में क्रिस्टियानो रोनाल्डो

पुर्तगाल ने दूसरे हाफ में एक बार और गेंद जाल में पहुंचाई थी। 55वें मिनट में जोआओ कैसेलो ने शानदार बाइसिकल किंक से गोल किया, लेकिन वीएआर जांच में उन्हें ऑफसाइड करार दिया गया। दूसरी ओर कांगो भी जीत के करीब पहुंचा था, लेकिन सेड्रिक बाकाम्बू का शॉट पोस्ट से टकराकर बाहर चला गया।

वर्ल्ड कप मैच की शुरुआत करने वाले सबसे उम्रदराज आउटफील्ड खिलाड़ी बने। रोनाल्डो टूर्नामेंट में खेलने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने हैं। उनसे आगे कैमरून के रोजर मिल्ला हैं, जो 1994 में 42 साल और 39 दिन की उम्र में रूस के खिलाफ उतरे थे।

ग्रुप-एल मुकाबले में इंग्लैंड ने क्रोएशिया को 4-2 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की। ऑलिंग्टन के एटीएंडटी स्टेडियम में खेले गए मैच में हैरी केन ने दो

रोनाल्डो ने गोल के मौके गंवाए

पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो पूरे मैच में गोल की तलाश में रहे, लेकिन सफलता नहीं मिली। उन्होंने 68वें और 73वें मिनट में दो अच्छे मौके गंवा दिए। दोनों बार उनका शॉट गोलपोस्ट के दाईं ओर निकल गया। 90वें मिनट में ब्रूनो फर्नांडिस के पास भी विजयी गोल करने का मौका था, लेकिन उनका प्रयास भी लक्ष्य से चूक गया।

गोल किए, जबकि जूड बेलिंगहम और मार्कस रैशफोर्ड ने एक-एक गोल दागे। क्रोएशिया की ओर से केमार्टिन बातुरिना (36वें मिनट) और पेदार मूसा (45+5 मिनट) ने गोल किए। यह मुकाबला 2018



गोल सैलिब्रेट करते हुए कांगो के योआने विसा।

वर्ल्ड कप सेमीफाइनल की याद दिलाते वाला रहा, जिसमें क्रोएशिया ने इंग्लैंड को हराया था। हालांकि इस बार इंग्लिश टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाते हुए जीत अपने नाम कर ली।

मंधाना टी-20 में 600 चौके लगाने वाली पहली बैटर बनीं

वर्ल्डकप में छठी फिफ्टी लार्गाई, मिताली-हरमनप्रीत को पीछे छोड़ लीड्स, एजेंसी



भारत ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में नीदरलैंड को 95 रन से हरा दिया। लीड्स में स्मृति मंधाना ने 74 रन की पारी में कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। वे मेंस और विमेंस टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 600 चौके पूरे करने वाली पहली बल्लेबाज बनीं।

बुधवार को मंधाना ने मिताली राज और हरमनप्रीत कौर को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने टूर्नामेंट में भारत के लिए सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। दूसरी ओर दीप्ति शर्मा ने इंटरनेशनल क्रिकेट में झूलन गोस्वामी के सबसे ज्यादा विकेट के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

मंधाना ने नीदरलैंड के खिलाफ 11 चौके लगाए। उनके नाम टी-20 इंटरनेशनल में 603 चौके हो गए हैं। वे पुरुष या महिला टी-20 इंटरनेशनल में 600 चौके पूरे करने वाली

दुनिया की पहली प्लेयर बन गई हैं। न्यूजीलैंड की पूजी बेट्स 521 चौकों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। स्मृति ने टी-20 वर्ल्ड कप में छठवां 50+ स्कोर बनाया। वे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा बार 50+ स्कोर बनाने वाली भारतीय बन गई हैं। उन्होंने हरमनप्रीत कौर और मिताली राज के 5 फिफ्टी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। विमेंस इंटरनेशनल क्रिकेट में भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा के 355 विकेट हो गए हैं।

पहली बार कोई टीम 400 रन बनाकर ऑलआउट

श्रेयस ने कोहली को पीछे छोड़ा, ईशान-गिल ने एक ही ओवर में शतक लगाए

लखनऊ, एजेंसी

भारत ने दूसरे वनडे में अफगानिस्तान को 170 रन से हरा दिया। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में भारतीय टीम 402 रन पर ऑलआउट हो गई। वनडे क्रिकेट के इतिहास में पहली बार 400 रन बनाने वाली टीम ऑल आउट भी हुई है। बुधवार को शुभमन गिल (154 रन) और ईशान किशन (125 रन) ने एक ही ओवर अपने-अपने शतक पूरे किए। श्रेयस अय्यर ने विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। वे सबसे तेज 3000 वनडे रन बनाने वाले दूसरे भारतीय बने। मैच के दौरान दरविश रसूलू को चोटिल होने पर स्ट्रेचर से मैदान से बाहर ले जाया गया।

गिल ने 77 और किशन ने 71 गेंद



में शतक पूरा किया। इसके साथ ही दोनों ने भारतीय क्रिकेट में एक नया रिकॉर्ड बनाया। वनडे क्रिकेट में पहली बार दो भारतीय बल्लेबाजों ने एक ही पारी में 80 या उससे कम गेंद में शतक लगाया। भारत ने 8वां बार वनडे में 400 या उससे ज्यादा का स्कोर बनाया। टीम ने इस मामले में साउथ अफ्रीका की बराबरी कर ली। साउथ अफ्रीका भी वनडे में 8 बार यह कारनामा कर चुका है।

श्रेयस अय्यर ने 11वां रन बनाते ही वनडे में 3 हजार रन पूरे किए। उन्होंने

72 पारी और 3049 गेंद में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने सबसे कम पारी में 3 हजार रन बनाने वाले विराट कोहली (75 पारी) को पीछे छोड़ दिया है। अब वे शिखर धवन के साथ दूसरे नंबर पर हैं। इस लिस्ट में शुभमन गिल 62 पारी के साथ पहले स्थान पर हैं। अय्यर सबसे कम गेंद में यह आंकड़ा छूने वाले हैं तीसरे नंबर पर पहुंच गए। पूर्व वर्ल्ड कप विजेता कप्तान कपिल देव 2995 गेंद के साथ पहले नंबर पर हैं। गिल ने 108 गेंद में 150 रन पूरे किए। यह वनडे में किसी भारतीय का तीसरा सबसे तेज 150+ का स्कोर है।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर्स ने पहली बार टी-20 में 9 विकेट झटके

चतगांव। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर्स ने टी-20 क्रिकेट में पहली बार 9 विकेट झटके हैं। इससे मिचेल मार्श की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलिया ने पहले टी-20 में बांग्लादेश को 4 विकेट से हराया। बुधवार को चतगांव में टॉस हारकर पहले बैटिंग कर रही बांग्लादेशी टीम 19 ओवर में 132 रन पर सिमट गई।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से लेग स्पिनर एडम जम्पा (3 विकेट), जोएल डेविस (3 विकेट), मैट रैनशां (2 विकेट) और निखिल चौधरी (एक विकेट) ने मिलकर लिए। एक विकेट तेज गेंदबाज स्पेंशर जॉनसन को मिला। यह ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर्स का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। एडम जम्पा टी-20 इंटरनेशनल में 150 विकेट लेने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बन गए। शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वे दुनिया के केवल 5वें लेग स्पिनर हैं, जिन्होंने टी-20I में 150 या उससे अधिक विकेट हासिल किए हैं।

बीसीसीआई सेक्रेटरी बोले- गर्मी, प्री-मानसून बारिश के कारण फैसला लिया, मैच नहीं बढ़ेंगे अगले साल एक हफ्ते पहले से शुरू होगा आईपीएल

चर्चा

कुरुविला को संभावित विंडो तलाशने को कहा है: सैकिया

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL का अगला सीजन एक हफ्ते पहले शुरू होगा। यह कहना है BCCI के सेक्रेटरी देवजीत सैकिया का।

सैकिया ने गुरुवार को PTI से कहा- 'बढ़ती गर्मी और प्री-मानसून के कारण IPL जल्दी शुरू होगा। इसकी तारीखें 10 मार्च से 15 मई 2027 हो सकती हैं।' उन्होंने यह भी कहा- 'व्यस्त



इंटरनेशनल कैलेंडर के कारण लीग में मैचों की संख्या नहीं बढ़ेगी।' पहले लीग के मैचों की संख्या 74 से बढ़ाकर 94 करने की तैयारी थी। सैकिया ने बताया कि BCCI और IPL गवर्निंग काउंसिल इस पर चर्चा कर रहे हैं। बोर्ड ने गेम्स डेवलपमेंट महाप्रबंधक एबी कुरुविला

सैकिया ने कहा- 'आईपीएल मार्च के अंतिम सप्ताह में शुरू होकर मई के आखिरी हफ्ते तक चलता है। लेकिन, मई के दूसरे पखवाड़े में कई वेंच्यूर पर बहुत ज्यादा गर्मी और बारिश की आशंका रहती है। इससे खिलाड़ियों और फैस को परेशानी होती है।

डोमेस्टिक क्रिकेट के कैलेंडर में बदलाव संभव

सैकिया ने यह भी कहा कि IPL, को मार्च में शुरू करने के लिए घरेलू क्रिकेट कैलेंडर में कुछ बदलाव करने पड़ सकते हैं। उनकी कोशिश होगी कि घरेलू क्रिकेट सत्र 10 मार्च तक समाप्त हो जाए, ताकि उसके तुरंत बाद IPL का आयोजन शुरू किया जा सके।

को भी संभावित विंडो तलाशने का निर्देश दिए हैं।

बीमार फैन से मिलकर रोए पवन कल्याण इलाज के लिए 1 लाख रुपए भी दिए

नई दिल्ली, एजेंसी

आंध्रप्रदेश के उपमुख्यमंत्री और साउथ एक्टर पवन कल्याण ने दुर्लभ बीमारी से जूझ रहे एक नन्हें फैमरी से मुलाकात की। इस मुलाकात से पहले पवन कल्याण मंदिर जाकर उनके लिए खुद थाल लेकर आए। बिस्तर पर लेटे हुए बीमार फैन को देख पवन भावुक हो गए और उसे गले लगाकर रो पड़े। उन्होंने उस फैमरी के परिवार को आर्थिक मदद भी दी है। पवन कल्याण ने सोशल मीडिया के जरिए बताया है कि उन्होंने हाल ही में वाराणस जिले के हनमकोंडा के रहनेवाले निरंजन का एक वीडियो देखा था। निरंजन एक दुर्लभ बीमारी से जूझ रहे हैं, जो पवन कल्याण के बड़े फैन हैं। उन्हें पवन कल्याण से मिलने की इच्छा जताई थी। इस पर पवन कल्याणन ने लिखा, 'मुझे लगा

मानहानि केस में कोर्ट ने पक्ष में दिया आदेश



कि उनकी यह इच्छा जरूर पूरी होनी चाहिए। आज मैं उनके घर हनमकोंडा पहुंचा और उनसे मुलाकात की। निरंजन का साहस, आत्मविश्वास और कठिन परिस्थितियों का सामना करने का उनका जज्बा सचमुच प्रेरणादायक है। इतनी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के बावजूद उनका मजबूत हौसला काबिले-तारीफ है।' आगे उन्होंने लिखा, 'मैंने भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी से निरंजन के जल्द और पूरी

तहर स्वस्थ होने की प्रार्थना की। साथ ही मां भद्रकाली का आशीर्वाद हमेशा उन पर बना रहे, यही कामना करता हूं। ईश्वर की कृपा से वह जल्द स्वस्थ होकर सामान्य जीवन में लौटें।' कुछ समय पहले ही सोशल मीडिया पर कई ऐसी पोस्ट की गईं, जिनमें पवन कल्याण पर झील की जमीन पर अवैध कब्जा करने के आरोप लगाए गए थे। पवन कल्याण ने इसके खिलाफ बैंगलोर सिटी सिविल कोर्ट में याचिका दायर कर इसे मानहानि-कारक बताया था।

विवादित बयान पर फंसी अपूर्वा मुखीजा, यूजर ने रेट लगाए तो इन्फ्लूएंसर ने सिखाया सबक

₹ 10-15 करोड़ में शेख के साथ सोने का सोचूंगी

नई दिल्ली। इंडिया गॉट लेटेस्ट से विवादों में रह चुकीं अपूर्वा मुखीजा फिर एक बार विवादों से घिर चुकी हैं। दरअसल, हाल ही में उनका एक पुराना वीडियो कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर फिर सर्कुलेट हो रहा है, जिसमें उन्होंने कहा है, मैं 2 रुपए के रोल के लिए किसी के साथ नहीं सो रही, हां अगर दुबई का कोई शेख मुझ पर 10-15 करोड़ फेंककर मारे तो शायद मैं इस बारे में सोचूंगी। उनका वीडियो वायरल होने के बाद कुछ ट्रोलर्स ने उन्हें अलग-अलग रेट ऑफर करना शुरू कर दिया, जिस पर इन्फ्लूएंसर भड़क गईं। अपूर्वा ने ऐसे ही 12 हजार

इंडियाज गॉट लेटेस्ट से विवादों में रही हैं अपूर्वा

बीते साल फरवरी में अपूर्वा मुखीजा के खिलाफ देशभर के कई शहरों में शिकायत दर्ज हुई थी। दरअसल, अपूर्वा मुखीजा 8 फरवरी को आए समय रैना के शो इंडियाज गॉट लेटेस्ट में जज बनी थीं। उन्होंने मजाक उड़ा रहे एक कंटेस्टेंट को फटकार लगाते हुए कुछ अपशब्द कहे थे। इसी एपिसोड में रणवीर अलाहाबादिया ने पेरेंट्स पर आपत्तिजनक कमेंट किया, जिससे शो से जुड़े लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई। रेप और जान से मारने की धमकियां मिलने के बाद अपूर्वा मुखीजा ने मुंबई छोड़ दिया था। हालांकि मामले खत्म होने के बाद अब वो मुंबई में दोबारा काम करना शुरू कर चुकी हैं।

ऑफर कर रहे एक शख्स की कंपनी में ही उसकी शिकायत कर दी है। जिसके बाद कथित तौर पर उस शख्स को उनसे माफी मांगनी पड़ी है।

एक्शन लेने से पहले अपूर्वा ने दी थी चेतावनी

- अपूर्वा मुखीजा ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन से उस शख्स द्वारा भेजे गए मैसेजेस का स्क्रीनशॉट शेयर किया है।
- अपूर्वा ने आखिरी बातचीत करते हुए कहा, मैं तुम्हारे साथ काम करने वालों को दूढ़ लूंगी और पर्सनली उन्हें मैसेज करूंगी।
- आगे अपूर्वा ने लिखा- तुमने कहा कि तुम मझे 12 हजार में खरीद लोगे। मैं देखना चाहूंगी कि तुम ये कैसे करते हो।
- जवाब में शख्स ने कहा- क्या तुम्हारे पास इतना टाइम है।



एक रील बनाने के 76 लाख लेते हैं ओरी



बोले- शादी-बर्थडे पार्टी में बुलाने पर 25 लाख रुपए चार्ज करता हूं

होने के लिए भी मोटी फीस वसूलते हैं। उन्होंने अपने बिजनेस मॉडल और पर्सनल फाइनेंस मैनेजमेंट से जुड़ी कई बातें साझा की हैं। ओरी को पहली बार अंबानी परिवार के कार्यक्रमों शामिल होकर चर्चा में आए थे। ओरी ने के के क्रीएशन के साथ अपने पॉडकास्ट में बताया कि कोई भी व्यक्ति उन्हें निजी कार्यक्रमों के लिए हायर कर सकता है। इसमें शादी, जन्मदिन, लंच या डिनर जैसे इवेंट्स शामिल हैं। ओरी के मुताबिक, इन इवेंट्स में शामिल होने के लिए वे 15 लाख से लेकर 25 लाख रुपए तक की फीस चार्ज करते हैं। उन्होंने इसे 'खरीदे जा सकने वाले अनुभव' के रूप में परिभाषित किया।

कहा- हमेशा से पता था वो कुछ बड़ा करने वाले हैं, 3 ब्लॉकबस्टर फिल्मों में साथ काम किया

तमिलनाडु सीएम थलापति

विजय से मिलीं सामंथा



तमसा संकेत, एजेंसी

सामंथा रूथप्रभू ने हाल ही में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और एक्टर थलापति विजय से चेन्नई में मुलाकात की है। इस स्पेशल मीटिंग की तस्वीरें पोस्ट कर सामंथा ने विजय की तारीफों के पुल बांधे हैं। सामंथा ने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से तस्वीरें पोस्ट कर लिखा है, 'जब मैं आज चेन्नई पहुंची, तो मुझे बेहद खुशी महसूस हुई, क्योंकि मैं हमारे मुख्यमंत्री से मिलने जा रही थी। मुझे हमेशा लगता था कि विजय सर सिर्फ पढ़े



पर हीरो बनने के लिए नहीं बने हैं। उनकी एनर्जी, उनकी मौजूदगी और लोगों का उनके प्रति प्यार हमेशा यह एहसास दिलाता था कि उनका मकसद इससे भी बड़ा है।' आगे उन्होंने लिखा, 'मुझे सबसे ज्यादा जिस बात से प्रेरणा मिलती है, वह है एक व्यक्ति को अपने पुराने क्षेत्र में सफलता हासिल कर चुके हों। यह फैसला इसलिए नहीं लिया जाता क्योंकि वह आसान है, बल्कि इसलिए क्योंकि

तृषा की फिल्म के लिए विजय ने लिया था बड़ा फैसला

विजय की गलॉफ़्रेड तृषा कृष्णन की फिल्म करुप्पू 24 मई को रिलीज हुई है। फिल्म रिलीज से ठीक पहले फिल्ममेकर्स ने विजय से मुलाकात की थी। उन्होंने इस फिल्म के लिए मॉर्निंग शो रखे जाने की मांग की, जिसे विजय ने अप्रूवल दे दिया था। जबकि साउथ में 2023 की फिल्म थुनिवू के मॉर्निंग शो में हुई भगदड़ से एक शख्स की मौत होने के बाद इसे बंद कर दिया गया।

सामंथा रूथप्रभू इन दिनों अपकमिंग फिल्म मां इंती भंगारम से चर्चा में हैं। ये फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

आपको विश्वास होता है कि आप बदलाव ला सकते हैं।' 'मेरा मानना है कि जिंदगी में कभी न कभी हम सभी के सामने ऐसा मौका आता है, जब हमें खुद से आगे बढ़कर सोचना पड़ता है और यह सवाल पूछना पड़ता है कि हम समाज के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। लेकिन बहुत कम लोग उस पुकार का जवाब देते हैं।'

वीरास्वामी की 100 साल पुरानी लीज खत्म, मालिक कोर्ट पहुंचे, रेस्तरां का किराये का समझौता (लीज) आगे बढ़ाने से इनकार ब्रिटेन में सबसे पुराने भारतीय रेस्तरां पर बंद होने का खतरा

चुनौती

लंदन, एंजेंसी

ब्रिटेन में मौजूद सबसे पुराने भारतीय रेस्तरां वीरास्वामी पर बंद होने का खतरा बढ़ गया है। जिस इमारत में यह रेस्तरां चलता है, उसका मालिक क्राउन एस्टेट है। क्राउन एस्टेट ब्रिटेन की एक बड़ी सरकारी संपत्ति संस्था है, जो राजा या रानी के नाम पर चलती है। अब क्राउन एस्टेट वीरास्वामी की इमारत में कुछ बदलाव और नया निर्माण करना चाहते हैं। इसी वजह से उन्होंने रेस्तरां का किराये का समझौता (लीज) आगे बढ़ाने से



लंदन की रीजेंट स्ट्रीट पर पिछले 100 साल से चल रहा भारतीय रेस्तरां वीरास्वामी अब बंद होने के खतरे का सामना कर रहा है।

इनकार कर दिया है। वीरास्वामी रेस्तरां की जून 2025 में लीज खत्म हो गई थी। रेस्तरां का कहना है कि अगर लीज नहीं बढ़ाई गई तो उसे 100 साल पुरानी अपनी जगह छोड़नी पड़ेगी। इसलिए रेस्तरां ने इस फैसले को चुनौती देने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

29 जून से 5 दिन चलेगी सुनवाई

वीरास्वामी की मूल कंपनी एमडब्ल्यू ईट (MW Eat) 29 जून से शुरू होने वाली पांच दिन की सुनवाई में सेंट्रल लंदन काउंटी कोर्ट में अपना पक्ष रखेगी। क्राउन एस्टेट का कहना है कि वह विकट्री हाउस नाम की इमारत के ऊपरी मंजिलों पर मौजूद दफ्तरों में बदलाव करना चाहता है। ये दफ्तर 2023 में आई बाढ़ के बाद बिजली व्यवस्था प्रभावित होने से खाली पड़े हैं।

योजना के तहत रेस्तरां और दफ्तरों की एंटी फॉइंट के बीच की दीवार हटाकर एक बड़ा रिसेशन एरिया

100 साल से चल रहा रेस्तरां

वीरास्वामी की शुरुआत अप्रैल 1926 में हुई थी। यह सिर्फ एक रेस्तरां नहीं बल्कि ब्रिटेन में भारतीय खाने के इतिहास का अहम हिस्सा माना जाता है। पिछले एक सदी में यहां कई मशहूर लोग आ चुके हैं। इनमें ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल, अभिनेत्री विवियन ली, अभिनेता मार्लन ब्रैंडो, लॉरेंस ओलिवियर, चार्ली चैपलिन और यहां तक कि महारानी एलिजाबेथ द्वितीय भी शामिल हैं। रेस्तरां का मेन्यू भारत में जन्मे एडवर्ड पामर ने तैयार किया था। उन्हें हैदराबाद के शाही महल में बनने वाले व्यंजनों की रेसिपी अपनी दादी से मिली थी और उसी से प्रेरित होकर उन्होंने यहां का खाना तैयार किया।

बनाया जाएगा। क्राउन एस्टेट का कहना है कि इससे वह ऑफिस का किराया काफी बढ़ा सकेगा। हालांकि, रेस्तरां के मालिक इस तर्क से सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि मरम्मत और नवीनीकरण का काम रेस्तरां को हटाए बिना भी किया जा सकता है। क्राउन एस्टेट ने जून 2025 में वीरास्वामी रेस्तरां की सालाना 2.05 लाख

यह रेस्तरां दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जर्मन बमबारी (ब्लिट्ज़) से भी बच गया। उसने रेस्तरां उद्योग के उतार-चढ़ाव भी देखे, लेकिन अब एक साल से चल रही कानूनी लड़ाई के बाद उसके अस्तित्व पर सवाल खड़ा हो गया है।



करी के साथ बीयर पीने की परंपरा यहीं से शुरू हुई

वीरास्वामी को 2016 में मिशेलिन स्टार मिला था। यह दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित रेस्तरां सम्मानों में से एक है। रेस्तरां से जुड़ा एक दिलचस्प दावा भी किया जाता है। कहा जाता है कि इंग्लैंड में करी के साथ बीयर पीने की आदत सबसे पहले इसी रेस्तरां से शुरू हुई थी। रेस्तरां के मालिकों के मुताबिक, डेनमार्क के राजा जब भी लंदन आते थे, तो वीरास्वामी में खाना खाने जरूर पहुंचते थे। इतना ही नहीं, उन्होंने अपनी पसंदीदा कार्ल्सबर्ग बीयर का एक पूरा पीपा रेस्तरां में रखवा दिया था ताकि जब भी वे करी खाने आएंगे, वही बीयर उन्हें परोसी जा सके।

पाउंड (करीब 2.6 करोड़ रुपए) की लीज को रेंयू करने से मना कर दिया था। अगर अदालत में रेस्तरां हार जाता है तो जिस जगह पर वह अभी चल रहा है, उसे दफ्तरों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

फास्ट न्यूज

साइबेरिया में दबा 'रेयर अर्थ मटेरियल' खोदकर निकालेगा भारत

नई दिल्ली। रूस ने भारत को साखा (याकुटिया) गणराज्य में स्थित टॉमटोर रेयर अर्थ मेटल्स डिपॉजिट तक पहुंच का प्रस्ताव दिया है। भारत की सरकारी कंपनी इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड (आईआरईएल) इस डिपॉजिट के सैंपल (नमूने) हासिल करने और उनके विश्लेषण के लिए रूस की कंपनी रोसनेफ्ट के साथ गोपनीय बातचीत कर रही है।

चांदी 3,988 गिरकर 2.44 लाख पर आई

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 18 जून को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एक किलो चांदी 3,988 रुपए गिरकर 2.44 लाख रुपए पर आ गई। इससे पहले इसकी कीमत 2.48 रुपए प्रति किलो थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 816 रुपए गिरकर 1.49 लाख रुपए पर आ गया है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे।

एनएसई ने आईपीओ के लिए ड्राफ्ट फाइल किया

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी NSE ने IPO के लिए SEBI के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रोस्पेक्टस यानी DRHP दाखिल किया है। अनलिस्टेड मार्केट में NSE की वैल्यूएशन करीब 5 लाख करोड़ रुपए है, जिसके आधार पर एक्सपर्ट्स अनुमान लगा रहे हैं कि इस IPO का साइज लगभग 30,000 करोड़ रुपए हो सकता है। अगर ऐसा होता है तो ये देश का सबसे बड़ा IPO हो सकता है।

दुर्घटना :

न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क में भारतीय छात्र की मौत, हादसे के बाद घोड़ा-गाड़ी प्रतिबंध की मांग तेज

मां की जान बचाने के चक्कर में घोड़ा-बग्गी से कूदा भारतीय छात्र

न्यूयॉर्क, एंजेंसी

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में स्थित मशहूर 'सेंट्रल पार्क' से एक बेहद दुखद खबर आई है। यहां अपनी मां को बचाने की कोशिश में एक 18 साल के भारतीय छात्र की मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ जब एक बग्गी का घोड़ा अचानक भड़क गया और तेजी से दौड़ने लगा, जिससे संतुलन बिगड़ गया। मृतक छात्र की पहचान 18 वर्षीय रोमांच महाजन के रूप में हुई है। रोमांच अपने परिवार के साथ पहली बार न्यूयॉर्क घूमने गया था। बग्गी के पलटने से ठीक पहले, रोमांच की मां प्रिया चलती बग्गी से नीचे गिर गईं।



अपनी मां को गिरता देख रोमांच ने उन्हें बचाने के लिए तुरंत बग्गी से नीचे छलांग लगा दी। रोमांच के पिता ने कहा कि मेरे बेटा सिर्फ अपनी मां को बचाने के लिए नीचे कूद गया। नीचे कूदते ही रोमांच का सिर जमीन से बहुत तेजी से टकराया

और वह बेहोश हो गया। उसे तुरंत 'न्यूयॉर्क-प्रेस-बिटेरियन वील कॉर्नल मेडिकल सेंटर' ले जाया गया, जहां बुधवार रात इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। हादसे में रोमांच के माता-पिता और छोटे भाई को मामूली चोटें आई हैं। प्रशासन के

फोटो खिंचवाने के चक्कर में हुआ हादसा

'द न्यूयॉर्क टाइम्स' की रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना बुधवार की है। बग्गी का ड्राइवर पर्यटकों (महाजन परिवार) की एक पारिवारिक तस्वीर खींचने के लिए अपनी सीट से उतरा। उसी पल घोड़ा किसी बात से डर गया और अचानक बेकाबू होकर भागने लगा। घोड़ा फुटपाथ और घास के मैदानों पर घागलों की तरह बग्गी को खींच रहा था। रोमांच के पिता दीपक महाजन ने बताया कि हम सब डर के मारे चिल्ला रहे थे।

मुताबिक, मई 2025 से अब तक सेंट्रल पार्क के आसपास घोड़ों से जुड़े आठ हादसे हो चुके हैं। शहर के अधिकारियों का कहना है कि इस दर्दनाक घटना के बाद अब पार्क में इन घोड़ा-गाड़ियों को हमेशा के लिए बंद करने का वक़्त आ गया है।

क्रिटिकल मिनरल्स के लिए चीन पर निर्भरता कम करेंगे जी-7 देश

लिथियम, निकेल पर ध्यान केंद्रित करते हुए नया मंच बनेगा

एवियन, एंजेंसी

क्रिटिकल मिनरल्स के लिए चीन पर निर्भरता कम करने की जी7 नेताओं ने अहम कदम उठाया है। उन्होंने बुधवार को क्रिटिकल मिनरल्स की सप्लाई चेन पर तालमेल बढ़ाने पर सहमति जताई। उन्होंने स्टाक जमा करने के लिए तालमेल बिठाने के साथ ही इंटरनेशनल एनर्जी एंजेंसी (आईईए) की बड़ी भूमिका वाले एक नए सहयोग मंच के लिए योजनाएं बनाईं। पश्चिमी देश रक्षा, टेक्नोलॉजी और रिन्यूएबल एनर्जी के लिए जरूरी धातुओं के स्रोतों में विविधता लाने और चीनी उत्पादों पर अपनी निर्भरता कम करने की होड़ में लगे हैं। पिछले साल चीन ने जब परमानेंट मैनेट के निर्यात पर रोक लगाई थी, तो कुछ उद्योगों का काम लगभग ठप हो गया था, जिससे दुनिया की एक ही स्रोत पर निर्भरता उजागर हुई और वैश्विक अर्थव्यवस्था में हलचल मच गई। नेताओं ने एक संयुक्त बयान में कहा,



■ जी7 ने चीन पर महत्वपूर्ण खनिज निर्भरता कम करने पर सहमति जताई।
■ आपूर्ति श्रृंखलाओं में तालमेल और स्टॉक जमा करने की योजना।

'हम एक जैसे और आपस में तालमेल बिठाने वाले तंत्र बनाने की दिशा में काम करने दो महम प्रतिबद्ध हैं। इसकी शुरुआत ही अहम खनिजों (लिथियम और निकेल) से होगी और इसका मकसद प्रतिस्पर्धा को कमजोर किए बिना या लागत का बहुत ज्यादा बोझ डाले बिना काम करना होगा।'

तमसा संकेत

tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस 40 नो 195 सेप्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ०प्र०) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित

लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो-0 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96